भारत सरकार

कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 19

उत्तर देने की तारीख 29नवंबर, 2021

सोमवार, 08 अग्रहायण,1943 (शक)

युवा कौशल विकास संस्थान

19 श्री दुलाल चन्द्र गोस्वामी: श्री अरुण कुमार सागर:

क्या कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या सरकार ने कटिहार सहित बिहार के पिछड़े और ग्रामीण क्षेत्रों तथा उत्तर प्रदेश के शाहजहानपुर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में कौशल विकास केंद्र स्थापित करने के लिए कोई कदम उठाए हैं/उठाए जाने का विचार है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्योरा क्या है; और

(ग) इस संबंध में अब तक हुई प्रगति का ब्योरा क्या है?

उत्तर

कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री

(श्री धर्मेंद्र प्रधान)

(क) जी हाँ। कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) मोड में कौशल प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए बिहार और उत्तर प्रदेश राज्य के ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों सहित पूरे देश के हर जिले में प्रधान मंत्री कौशल केंद्र (पीएमकेके) के रूप में जाना जाने वाले मॉडल और आकांक्षात्मक कौशल केंद्रों की स्थापना को बढ़ावा देता है।

इसके अलावा, एमएसडीई की प्रमुख स्कीम अर्थात प्रधान मंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) के तहत प्रशिक्षण केंद्रों (टीसी) की स्थापना करना अनिवार्य नहीं है; हालांकि,

बिहार और उत्तर प्रदेश राज्य के ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों सहित देश भर में सूचीबद्ध टीसी के माध्यम से अल्पावधि प्रशिक्षण दिया जा रहा है। मंत्रालय निरक्षरों, नव-साक्षरों, 8वीं तक की शिक्षा के प्राथमिक स्तर वाले व्यक्तियों और 15-45 वर्ष के आयु वर्ग में 12 वीं कक्षा तक स्कूली पढ़ाईबीच में छोड़ने वालों को अनौपचारिक रीति से व्यावसायिक कौशल प्रदान करने के लिए गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) के माध्यम से जन शिक्षण संस्थान की स्कीम भी कार्यान्वित कर रहा है। प्राथमिकता समूहमें महिलाएं, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अल्पसंख्यक और समाज के अन्य पिछड़े वर्ग हैं।

उपर्युक्त अल्पावधि प्रशिक्षण के अलावा, एमएसडीई के तहत प्रशिक्षण महानिदेशालय (डीजीटी) औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) के माध्यम से दीर्घावधि के व्यावसायिक पाठ्यक्रमों को कार्यान्वित कर रहा है जो एक या दो वर्षों के व्यावसायिक/कौशल प्रशिक्षण पाठ्यक्रम की पेशकश करते हैं।

(ख) और (ग) दिनांक 15.11.2021 की स्थिति के अनुसार, बिहार और उत्तर प्रदेश राज्य के सभी जिलों में पीएमकेके आवंटित किए गए हैं, जिनमें पिछड़े और ग्रामीण क्षेत्रों को शामिल किया गया है। आवंटित पीएमकेके में से, क्रमशः बिहार और उत्तर प्रदेश राज्य में 48 और 86 पीएमकेके स्थापित किए गए हैं। बिहार राज्य के कटिहार संसदीय क्षेत्र में केंद्र की स्थापना अशपरा स्किल्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा और उत्तर प्रदेश राज्य के शाहजहांपुर संसदीय क्षेत्र (पीसी) में महेंद्र स्किल्स ट्रेनिंग एंड डेवलपमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा केंद्र की स्थापना की गई है.

15.11.2021 की स्थिति के अनुसार, कटिहार संसदीय निर्वाचन क्षेत्र सहित बिहार राज्य में 1,215 टीसी (पीएमकेके सहित) और शाहजहांपुर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र सहित उत्तर प्रदेश राज्य में 3,122 टीसी (पीएमकेके सहित) को सूचीबद्ध किया गया है। बिहार राज्य में 21 जन शिक्षण संस्थान स्वीकृत हैं, जिनमें जून-2021 में स्वीकृत 9 नए जेएसएस शामिल हैं। बिहार के कटिहार जिले में कोई जेएसएस नहीं है। उत्तर प्रदेश राज्य के शाहजहांपुर में जेएसएस सहित 50 जेएसएस कार्यरत हैं।

वर्तमान में, देश भर में 14,603 आईटीआई कार्यरत हैं। क्रमशः कटिहार संसदीय निर्वाचन क्षेत्र सहित बिहार राज्य में 1,332 आईटीआई हैं और में शाहजहांपुर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र सहित उत्तर प्रदेश राज्य 3,058 आईटीआई हैं।

****